हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

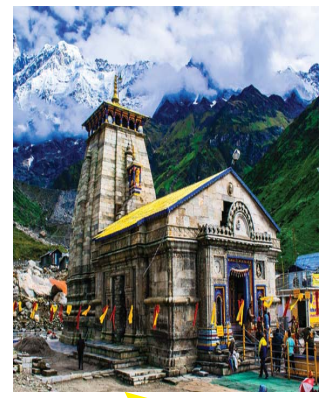

वर्ष:4 अंक:267 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, बुधवार, 01 अक्टूबर 2025

युवाओं के हितों के लिए सिर झुका भी सकता हूँ और कटा भी सकता हूँ :मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश और देश की प्रगति, युवाओं के हित, पर्यटन और निवेश के क्षेत्र में अपना दृष्टिकोण साझा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले भारत की राजनीति केवल घोटालों और कुशासन की चर्चा करती थी, लेकिन आज भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त और सक्षम राष्ट्र के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने एक निजी अखबार के कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ÷रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म÷ की नीति के तहत विकास और समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। उन्होंने बताया कि मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए 12.75 लाख रुपये तक की आय करमुक्त की गई है और जीएसटी सुधारों से स्थानीय उद्योगों व व्यापारियों को नई गति मिली है।

युवाओं के हितों की सुरक्षा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि हाल ही

में नकल प्रकरण में आरोपियों को गिरफ्तार कर एसआईटी गठित की गई है। युवाओं की भावनाओं और न्यायोचित मांगों का सम्मान करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार पारदर्शी भर्ती प्रक्रियाओं और नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने के लिए देश का सबसे सख्त कानून लागू कर चुकी है। इसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है और 100 से अधिक नकल माफिया जेल में हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, युवाओं के हितों की रक्षा के लिए मैं सिर झुका भी सकता हूँ और सिर कटा भी सकता हूँ।

धार्मिक और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2025 में लगभग 42 लाख श्रद्धालु चारधाम यात्रा पूरी कर चुके हैं।

शीतकालीन यात्रा और साहसिक पर्यटन के लिए नई पहलें शुरू की गई हैं। उत्तराखंड को देश और विश्व का 'एडवेंचर टूरिज़्म हब' बनाने के लिए ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग और पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और औद्योगिक विकास-

सीएम ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 3.56 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए थे, जिनमें से 1 लाख करोड़ से अधिक परियोजनाएं धरातल पर उतारने में सफलता मिली है। राज्य में ÷एक जनपद, दो उत्पाद÷ योजना और 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाई जा रही है।

सुरक्षा और कानून व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड में 9 हजार एकड़ भूमि लैंड जिहाद से मुक्त कराई गई, 250 अवैध मदरसे सील किए गए और 500 से अधिक अवैध संरचनाओं को हटाया गया। इसके अलावा राज्य में समान नागरिक संहिता लागू कर सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित किया गया है।

स्वदेशी अपनाओ, देश मजबूत बनाओ

सीएम ने उपस्थित गणमान्यों से आग्रह किया कि वे ÷स्वदेशी अपनाओ, देश को मजबूत बनाओ÷ के मंत्र को आत्मसात करें और अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इस कदम से हमारे कारीगरों, किसानों और उद्यमियों को सशक्त बनाया जाएगा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर फ़िल्म अभिनेता आशुतोष राणा सहित मीडिया, फिल्म और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य उपस्थित रहे।

तीनों सेनाओं का एकीकरण अब अभियानों की जरूरत बन गया है: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मौजूदा समय में थल, जल, वायु ,अंतरिक्ष और साइबरस्पेस के क्षेत्रों के आपस में गहराई से जुड़े होने तथा सुरक्षा के बदलते स्वरूप और खतरों की जटिलता को देखते हुए तीनों सेनाओं के एकीकरण पर बल दिया है और कहा है कि आज के दौर में जिस तरह की चुनौतियां हमारे सामने आ रही हैं उसमें बेहतर विकल्प यही है कि हम इन चुनौतियों का मिलकर सामना करें। उन्होंने कहा कि अंतर संचालन और एकीकरण अब केवल वांछनीय लक्ष्य नहीं रह गए, बल्कि अब ये संचालन जरूरत बन चुके हैं।

श्री सिंह ने मंगलवार को यहां तीनों सेनाओं के सेमीनार को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सेनाओं को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में गिना जाता है और हर सेना की अपनी गौरवशाली परंपरा तथा अपनी पहचान रही है। उन्होंने कहा कि लेकिन एकीकरण और तालमेल के बिना इससे जो मूल्य या अनुभव या नयी चीज उस सेना ने सीखी वह उसी तक सीमित रह गयी और उसका फायदा दूसरी सेना

को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी में सुरक्षा और खतरों का स्वरूप बदल चुका है और वे अधिक जटिल हो गये हैं इसे देखते हुए तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण जरूरी है जिससे मिलकर चुनौतियों का सामना किया जा सके। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में सुरक्षा का स्वरूप काफी बदल चुका है। खतरे पहले से कहीं अधिक जटिल हो गए हैं। आज थल, जल, वायु , अंतरिक्ष और साइबरस्पेस ये सभी क्षेत्र आपस में गहराई से जुड़ गए हैं। ऐसे समय में कोई भी सेना यह सोचकर अलग-थलग नहीं रह सकती, कि अपने क्षेत्र में वह अकेले ही सब संभाल लेगी। आज के दौर में, जिस तरह की चुनौतियां हमारे सामने आ रही हैं, उसमें बेहतर विकल्प यही है, कि हम इन चुनौतियों का मिलकर सामना करें।÷

उन्होंने कहा कि अंतर संचालन और एकीकरण अब केवल वांछनीय लक्ष्य नहीं रह गए, बल्कि अब ये संचालन जरूरत बन चुके हैं। ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन इस बात का प्रमाण है, कि जब हमारी सेनाएं मिलकर काम करती हैं, तो उनकी सामूहिक शक्ति कितनी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे निरीक्षण और सुरक्षा मानक अलग-अलग रहेंगे तो मुश्किल समय में असमंजस की स्थिति पैदा होगी और निर्णय लेने की गति धीमी हो जाएगी। उन्होंने कहा , ÷ एक छोटी तकनीकी गलती भी बड़ा प्रभाव पैदा कर सकती है। लेकिन जब मानक समान होंगे, तो उस स्थिति में हमारा तालमेल भी सही होगा, और हमारे सैनिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

मोदी ने ट्रम्प की गाजा शांति योजना का किया स्वागत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाज़ा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच का संघर्ष रुकवाने की अमेरिकी राष्ट्रपति की योजना का स्वागत किया है और विश्वास जताया है संबंधित पक्ष इसको स्वीकार करेंगे।

मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान में कहा, हम राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प द्वारा गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करती है। मोदी ने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने एवं शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे। ट्रम्प ने वाशिंगटन की यात्रा पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ सोमवार को व्हाइट हाउस में बातचीत के बाद गाजा में संघर्ष समाप्त करने की एक

व्यापक योजना की घोषणा की। उसके तहत गाजा से संचालित आतंकवादी गतिविधियां बंद होंगी और गाजा पट्टी का व्यापक पुनर्निर्माण किया जाएगा।

योजना में हमास के कब्जे में पड़े बंधकों की वापसी और इजरायल द्वारा हिरासत में लिए गए कुछ फिलिस्तीनियों की रिहाई का भी प्रस्ताव है।

भाजपा नेता विजय कुमार मल्होत्रा का निधन

नई दिल्ली। भाजपा के सीनियर नेता विजय कुमार मल्होत्रा का मंगलवार सुबह 93 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से दिल्ली एम्स में भर्ती थे। एम्स ने सुबह उनकी मौत की जानकारी दी। मल्होत्रा दिल्ली से 5 बार सांसद और दो बार के विधायक थे। वे 1980 में दिल्ली के पहले प्रदेश अध्यक्ष बने। उन्होंने 1हरि प्रसाद पाल / 30 सितम्बर, 2025 के लोकसभा चुनावों में दक्षिण दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार मनमोहन सिंह को हराया था। उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली स्थित उनके आवास पर रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित

भाजपा के कई बड़े नेता उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

जनरल रिजर्वेशन में आज से ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी

पहले 15 मिनट सिर्फ आधार ओटीपी से बुक कर सकेंगे टिकट

नई दिल्ली। 1 अक्टूबर से तत्काल टिकट की तरह ही जनरल रिजर्वेशन (सामान्य आरक्षण) टिकट की बुकिंग करते वक्त भी ई-आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इंडियन रेलवे ने 14 सितंबर को इसकी घोषणा की थी। रेल मंत्रालय के अनुसार आईआरसीटीसी वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इससे फर्जी आईडी, एजेंट्स की टिकटों की कालाबजारी

और बॉट्स की बुकिंग पर लगाम लगेगी।

अगर आपका आईआरसीटीसी अकाउंट पहले से आधार से लिंक है, तो बुकिंग आसान रहेगी। वेटिंग कम होगी, और टिकट्स जल्दी कन्फर्म होंगे। रेलवे के कंप्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों पर जनरल रिजर्वेशन टिकट बुक करने का पुराना शेड्यूल वही रहेगा। साथ ही, रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट्स के लिए पहले दिन टिकट बुकिंग पर 10 मिनट की पाबंदी भी बिना किसी बदलाव के जारी रहेगी।

राम राज्य उत्पात से नहीं किरदार से ही लाया जा सकता है- विरेंद्र आफ़ाक

पथ प्रवाह, संवाददाता

टिहरी विस्थापित सुमन नगर में श्रीरामलीला के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि लोकसभा प्रत्याशी वीरेंद्र रावत तथा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राव आफ़ाक अली ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया।

विरेंद्र रावत ने कहा कि श्रीराम हमारे आदर्श हैं। उन्होंने अपने जीवन में माता-पिता, भाई और मित्रों के साथ-साथ सभी के अधिकारों पर ध्यान दिया और दुनिया को सच्चाई, त्याग व तपस्या का संदेश दिया।

इसीलिए आज भी उनकी याद में श्रीरामलीला का मंचन पूरी दुनिया में किया जाता है। राव आफ़ाक अली ने कहा कि सड़कों पर उत्पात मचाकर जय श्रीराम के नारे

लगाने वाले लोग श्रीराम के अनुयायी या भक्त नहीं हो सकते। उनके जीवन और किरदार को ऐसे जियो के लोग खुद ही जय श्रीराम के नारे लगाए । इसीलिए इक़बाल ने कहा था - श्रीराम इमाम-ए-हिंद हैं।

उन्होंने कहा कि शबरी के झूठे बेर खाकर श्रीराम व लक्ष्मण ने छुआछूत और भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया।

श्रीरामजी के जीवन और उनके राज करने की क्षमता को देखते हुए आज हिंदुस्तान में हर धर्म और जाति के लोग ÷राम राज्य÷ की कामना करते हैं। राव आफ़ाक अली ने आगे कहा कि आज पूरे देश में साधु, संत और महात्मा भारी संख्या में ÷आई लव मुहम्मद ÷ कह रहे हैं, जिससे भाईचारा, सद्भावना और सम्मान बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पैग़म्बर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने भी बताया है कि अपने मुल्क से मोहब्बत करना ईमान का हिस्सा है।

जो अपने मुल्क से मोहब्बत नहीं करता, वह सच्चा मुसलमान नहीं हो सकता।

इसीलिए हम कहते हैं - आई लव मुहम्मद, आई लव श्रीराम, आई लव इंडिया।

यही असली हिंदुस्तान है।

इस अवसर पर उपस्थित रहे-

रामलीला कमेटी के अध्यक्ष मस्त राम जोशी, उपाध्यक्ष महेश कुमार, कोषाध्यक्ष विकास गोस्वामी, अजय सिंह पंवार, दीपक स्वरूप, नरेश भट्ट, मदन कुमार, दिनेश लाल, प्रवेश सिंह पंवार, सूरवीर सिंह सजवान, मनीष रावत, हर्षमणी जोशी, सोहन सिंह गुसाईं, चंदन सिंह रावत, मोहन सिंह रावत, सोहन सिंह रावत, महावीर सिंह, विजय जोशी, बालम सिंह रावत, देव सिंह पंवार, किशोरी लाल, जौहरी लाल, देवेंद्र सिंह, दिनेश कमवाल, बीरबल, नरेश, विजय, ज्ञान सिंह भंडारी, अनुप भंडारी, विनोद जी, आनंद सिंह मेहरा, राव जाबिर, साहिल कुरैशी, राव फ़रजान आदि।

हरिद्वार में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा-2025' के तहत वृहद जागरूकता रैली और सफाई अभियान

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने किया रैली का नेतृत्व

पथ प्रवाह, हरिद्वार

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत चल रहे ÷स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा-2025÷ के तहत मंगलवार को नगर निगम हरिद्वार ने नगर आयुक्त आईएएस नंदन कुमार के नेतृत्व में शहर में वृहद जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली में नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने, कचरे को गीले और सूखे रूप में अलग करने और वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करने के लिए प्रेरित किया गया।

विशेष सफाई अभियान में 500 किलोग्राम कचरा एकत्र

रैली के साथ नगर निगम ने शहर के प्रमुख मार्गों और क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान भी चलाया। इस दौरान निगम कर्मियों ने लगभग 500 किलोग्राम अपशिष्ट एकत्र किया, जिसे सराय स्थित नगर निगम अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र में वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया गया।

अधिकारियों और सहयोगियों की मौजूदगी

इस मौके पर वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी गंभीर तालियांन, मुख्य सफाई निरीक्षक संजय

शर्मा, अतिक्रमण सहायक आदित्य तपेश्वर, नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी और आईटीसी सुनहरा कल की टीम भी उपस्थित रही।

नगर आयुक्त की नागरिकों से अपील

नगर आयुक्त नंदन कुमार ने कहा कि हर नागरिक को अपने घर और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने अपील की कि सभी लोग कचरे को अलग-अलग करें और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें। उनका कहना था कि यह प्रयास हरिद्वार को स्वच्छ और सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ज्वालापुर पुलिस ने ऑपरेशन 'लगाम' में 09 युवकों को किया गिरफ्तार

पथ प्रवाह, संवाददाता हरिद्वार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के आदेशानुसार कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने ऑपरेशन लगाम के तहत 09 युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी उन व्यक्तियों के खिलाफ की गई है, जो क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द और शांति/कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे थे।

गिरफ्तारी की पृष्ठभूमि

विगत समय से आमजन द्वारा शिकायत मिली थी कि कुछ युवक समूह बनाकर गली-मोहल्ले में सोशल मीडिया रील बनाने, मोबाइल फोन पर वाद-विवाद करने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। इन गतिविधियों से क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा था और आपसी सौहार्द प्रभावित हो रहा था।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ज्वालापुर के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने समझाने-बुझाने के प्रयास किए, लेकिन अभियुक्त नहीं माने। इस आधार पर और संज्ञेय अपराध की प्रबल संभावना को देखते हुए, पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण

1. फरहान पुत्र फरमान, सोनिया बस्ती, कोतवाली ज्वालापुर
2. शेफ अली पुत्र फुरकान, कोतवाली ज्वालापुर
3. शबनूर पुत्र स्वर्गीय नसीम, कोतवाली ज्वालापुर
4. रज्जाक पुत्र अकरम, मोहल्ला कस्सावान, कोतवाली ज्वालापुर
5. सत्तार पुत्र जुल्फान, जट बहादरपुर, थाना पथरी
6. कुन्नू प्रजापति पुत्र सुरेंद्र कुमार, पीठ बाजार, कोतवाली ज्वालापुर
7. अमन पुत्र मनोज, कोतवाली ज्वालापुर
8. आर्यन कुमार पुत्र जितेंद्र कुमार, ग्राम मिस्सरपुर, थाना कनखल
9. कार्तिक पुत्र सुरेश, लोधा मंडी, कोतवाली ज्वालापुर

पुलिस टीमः वरिष्ठ उपनिरीक्षक खेमेन्द्र गंगवार . प्रभारी चौकी रेल उप, निरीक्षक नवीन नेगी, . कांस्टेबल अमित गॉड, कांस्टेबल अर्जुन चौहान, कांस्टेबल सुनील शर्मा कांस्टेबल गणेश तोमर, कांस्टेबल रवि चौहान

दशहरा पर्व पर एक अक्टूबर को बंद रहेंगे सभी कार्यालय, सरकारी अवकाश घोषित

हरिद्वार। उत्तराखण्ड शासन ने राज्य में दशहरा (महानवमी) पर्व के अवसर पर 1 अक्टूबर 2025 (बुधवार) को सरकारी अवकाश घोषित कर दिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। शासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि दशहरा पर्व के चलते 1 अक्टूबर को अवकाश लागू होगा। इस दिन राज्य सरकार के सभी कार्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक संस्थान भी बंद रहेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अवकाश निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट 1881 के अंतर्गत रहेगा और इसका अनुपालन बैंक/कोषागार तथा उपकोषागारों में भी किया जाएगा।

एक नजर

स्वास्थ्य शिविरों में 80 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच

सुरक्षित मातृत्व के लिए गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच जरूरी

पथ प्रवाह, संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत प्रदेशभर में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में गर्भवती महिलाओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। अभियान के तहत अब तक 80,515 गर्भवती महिलाओं की एंटीनेटल केयर (एएनसी) जांच की गई, जिसमें गर्भस्थ शिशु और मां दोनों के स्वास्थ्य का आंकलन किया गया।

प्रदेशभर में स्वास्थ्य शिविरों की विस्तृत जानकारी

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न जिलों में गर्भवती महिलाओं की जांच इस प्रकार रही

अल्मोड़ाः 2,195, बागेश्वरः 1,131, चमोलीः 2,285, चंपावतः 1,758, देहरादूनः 15,728, हरिद्वारः 14,472, नैनीतालः 7,853, पौड़ीः 2,375, पिथौरागढ़ः 2,067, रुद्रप्रयागः 1,936, टिहरीः 4,650, ऊधमसिंह नगरः 21,509, उत्तरकाशीः 2,556

स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं की उच्च रक्तचाप, वजन, शारीरिक जांच, मधुमेह, एचआईवी और यूरिन जैसी आवश्यक जाँच की गई। इसके साथ ही उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें चिकित्सीय परामर्श और सोनोग्राफी जांच की सलाह दी गई। विशेष ध्यान उन महिलाओं पर दिया गया जिनका पहला प्रसव ऑपरेशन से हुआ हो, पहले गर्भपात या मृत शिशु का जन्म हुआ हो, वजन या ऊचाई कम हो, कम उम्र में गर्भधारण किया हो या गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित हों।

संतुलित आहार और पोषण पर बल

डॉक्टरों ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, नियमित दवा सेवन, हरी सब्जियां, दूध, सोयाबीन, फल, चना और गुड़ का सेवन करने की सलाह दी। एनीमिक महिलाओं को आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां वितरित की गई।

मातृ-मृत्यु दर घटाने के लिए राज्य सरकार गंभीर

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मातृ-मृत्यु दर में कमी लाने के लिए राज्य सरकार गंभीर है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेविकाओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके साथ ही पंचायत स्तर पर प्रसव पूर्व जांच को बढ़ावा दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री का बयान

डॉ. धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री, उत्तराखंड ने कहाः स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविरों में 80 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांचें की गई। गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच होना बेहद जरूरी है, इससे मां और बच्चे की सेहत का समय पर पता चलता है और गर्भावस्था के समय होने वाले जोखिम से बचा जा सकता है।

आयोग ने बहादरपुर जट पहुंच कर किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

पथ प्रवाह संवाददाता। हरिद्वार। यूकेएसएसएससी स्नातक परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में मंगलवार को आयोग बहादरपुर जट स्थित आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज पहुंचा। यह वहीं कॉलेज है जिससे परीक्षा का पेपर लीक हुआ। आयोग अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति यूसी ध्यानी ने करीब तीन घंटे तक इस परीक्षा केंद्र की जांच पड़ताल और निरीक्षण किया। सूत्रों के मुताबिक वह करीब दो बजे आदर्श बाल संदन इंटर कॉलेज पहुंचे। यहां उन्होंने उस कमरे की बारीकी से जांच पड़ताल की जिसमें बैठकर मुख्य आरोपी खालिद परीक्षा दे रहा था। इस कमरे की सीटिंग प्लान के अलावा खिड़की, दरवाजे और दीवारों तक का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज प्रबंधक धर्मेंद्र चौहान और कॉलेज के स्टॉफ से भी बात की गई। प्रबंधक धर्मेंद्र चौहान के साथ परीक्षा कक्ष और कॉलेज का निरीक्षण कर उनसे जानकारी ली। प्रबंधक धर्मेंद्र चौहान ने आयोग अध्यक्ष के आकर जांच पड़ताल किये जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि जो भी उनके द्वारा पूछा गया वह सब जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान जो भी जानकारी उन्होंने मांगी उसे उपलब्ध कराया गया। हम जांच में जांच एजेंसियों का पूरा सहयोग कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: जिलाधिकारी मयूर दीक्षित

पथ प्रवाह, हरिद्वार

चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर से बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य होना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यह बात मंगलवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला चिकित्सालय हरिद्वार एवं चैन राय महिला चिकित्सालय की चिकित्सा प्रबन्धन समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

मरीजों और तीमारदारों के लिए बेहतर इंतज़ाम के निर्देश

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि चिकित्सालयों में आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उपचार हेतु आवश्यक चिकित्सा उपकरण, औषधियां, रसायन और सर्जिकल सामग्री समय पर खरीदी जाएं।

आउटसोर्स कर्मियों की आपूर्ति पर पारदर्शिता

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि आउटसोर्स कर्मियों की आपूर्ति हेतु टेंडर प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और नियमों के तहत किया जाए। वरिष्ठ कोषाधिकारी को इन फाइलों का गहन परीक्षण करने का निर्देश भी दिया गया।

6 करोड़ से अधिक का बजट अनुमोदित

बैठक में समिति द्वारा चैन राय महिला चिकित्सालय के लिए 2 करोड़ 81 लाख रुपये तथा हर मिलाप मिशन जिला चिकित्सालय के लिए 3 करोड़ 35 लाख रुपये का बजट अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही पिछली बैठक में पारित प्रस्तावों की पुष्टि और विगत माहों की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

बजट एजेंडा हुआ प्रस्तुत

प्रमुख अधीक्षक व सचिव चिकित्सा प्रबंधन समिति, डॉ. आरवी सिंह ने दोनों चिकित्सालयों के वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत बजट प्रस्ताव का विस्तृत एजेंडा प्रस्तुत किया।

बैठक में रहे मौजूद

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरके. सिंह, मुख्य वित्त अधिकारी अजय कुमार, डॉ. संदीप निगम, सांसद प्रतिनिधि बृजेश कुमार गुप्ता, मेयर प्रतिनिधि सचिन, विधायक प्रतिनिधि राजेश जोशी, डायरेक्टर पौड़ी के प्रतिनिधि डॉ. राजीव, प्रशासनिक अधिकारी विपिन राणा, धीरेन्द्र सिंह, नरेश चौधरी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार- हरिद्वार में अब तक 1.77 लाख से अधिक लोगों का निःशुल्क उपचार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन और शासन के निर्देशों के अनुपालन में ÷स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान÷ के तहत जनपद हरिद्वार में स्वास्थ्य शिविरों का व्यापक आयोजन जारी है। 17 सितंबर 2025 से अब तक आयोजित शिविरों में कुल 1,77,936 लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह ने बताया कि अभियान की शुरुआत से अब तक निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ लेने वालों में 1,09,843 महिलाएं और 68,102 पुरुष शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक नागरिक तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। जनपद में 138 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए जिनमें 36,353 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। इनमें 21,181 महिलाएं और 15,172 पुरुष लाभान्वित हुए। सीएमओ ने कहा कि अभियान के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीजों की जांच, उपचार और आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। शिविरों में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि परिवार और समाज दोनों को सशक्त किया जा सके। यह अभियान आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा और अधिक से अधिक लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार, नशे में कर दी हत्या

पथ प्रवाह संवाददाता, हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर पुलिस ने घरेलू हत्या के मामले में आरोपी पति घनश्याम पुत्र रतिराम (42 वर्ष) को मात्र 24 घंटे में गिरफ्तार किया। आरोपी ने लेबर कॉलोनी, सेक्टर-5 ङ्मश्चरुमें अपनी पत्नी मंजू देवी (40 वर्ष) की लोहे की रॉड से हत्या की थी। घटनाक्रम के मुताबिक 28 सितम्बर 2025, देर रात- पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुंची। महिला को मेला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की जांच- रानीपुर पुलिस और फील्ड यूनिट ने घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन किया। मामले में मु0अ0सं0 404/25 धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। 29 सितम्बर 2025, रात- मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ङ्मश्चरुसेक्टर-5 स्टेडियम के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया।

जन योजना अभियान से तैयार होंगी सर्वसमावेशी पंचायत विकास योजनाएं: डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह

पथ प्रवाह, हरिद्वार

ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर और सर्वसमावेशी विकास की राह पर ले जाने के उद्देश्य से आज अटल बिहारी वाजपेयी राज्य अतिथि गृह, मायापुर हरिद्वार में एक दिवसीय प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत राज अधिकारी हरिद्वार अतुल प्रताप सिंह ने की। कार्यशाला का विषय ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) - सबकी योजना, सबका विकास, अभियान में भागीदारी का आग्रह रहा।

डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह ने कहा कि भारत सरकार का पंचायती राज मंत्रालय 2 अक्टूबर से जन योजना अभियान की शुरुआत कर रहा है, ताकि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार की जा सकें। इस अभियान का उद्देश्य पंचायतों को सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सक्षम बनाना है।

उन्होंने बताया कि ग्राम सभा इस अभियान की आधारशिला है, जहां नागरिक अपनी जरूरतें और प्राथमिकताएं सामने रखते हैं– चाहे वह सड़क निर्माण हो, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हो या कौशल प्रशिक्षण का आयोजन। इन मांगों के आधार पर पंचायतें एकीकृत और ठोस विकास योजना तैयार करती हैं।

डीपीआरओ ने अभियान की महत्ता को रेखांकित करते हुए तीन मुख्य बिंदु बताए–

1. ग्राम सभा की भागीदारी : नागरिकों की जरूरतें और सुझाव विकास योजना का आधार बनेंगे।

2. संसाधनों का प्रभावी उपयोग: पंचायतों को उपलब्ध संसाधनों से व्यापक और टिकाऊ विकास योजना तैयार करने का अवसर मिलेगा।

3. डिजिटल प्रगति : ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से योजना निर्माण और प्रगति रिपोर्टिंग में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत विकास योजना 9 थीम आधारित सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित होगी–गरीबी मुक्त गांव, स्वस्थ गांव, बाल अनुकूल गांव, पर्याप्त जल वाला गांव, स्वच्छ एवं हरित गांव, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा, सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव और महिला हितैषी गांव। इन विषयों पर कार्यशाला में विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पंजीकरण की गति को बढ़ाने के उपायों पर भी अधिकारियों और कर्मचारियों को विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला में जिले के सभी विकासखण्डों से सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), ग्राम पंचायत विकास अधिकारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर मौजूद रहे।

राज्यमंत्री देशराज कर्णवाल ने सुनी जन समस्याएं, 16 मामलों का निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सरकार चली गरीब के द्वार कार्यक्रम के तहत विधानसभा झबरेड़ा विकासखण्ड नारसन क्षेत्र के तीन ग्राम पंचायतों–खालसा बस्ती, नजरपुरा और सैदपुरा–में मंगलवार को बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों की अध्यक्षता राज्य मंत्री श्री देशराज कर्णवाल ने की।

शिविर में क्षेत्रवासियों ने कुल 67 समस्याएं दर्ज कराईं, जिनमें से 16 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष 51 समस्याओं को संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जनता के बीच पहुँचकर समाधान

राज्यमंत्री देशराज कर्णवाल ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि गरीब और जरूरतमंद जनता की समस्याओं का समाधान उनके द्वार तक पहुँचकर किया जाना ही सरकार की प्राथमिकता है। इसी सोच के तहत बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण बहुउद्देश्य शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देश और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हैं। हर वर्ग के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और यह सुनिश्चित करें कि लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय पर पहुँचे।

खालसा, नजरपुरा और सैदपुरा की समस्याएं

खालसा बस्ती से 17 समस्याएं दर्ज हुईं
नजरपुरा से 25 समस्याएं दर्ज हुईं
सैदपुरा से 25 समस्याएं दर्ज हुईं
इनमें से 16 समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। बाकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर जिला मुख्यालय और शासन स्तर तक भेजा जाएगा।

क्षेत्रवासियों का आभार

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं रखीं।

राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल का ग्रामीणों ने फूलमालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

उत्तराखंड का गौरव

उत्तराखंड, विशेषकर टिहरी गढ़वाल के लिए गर्व का क्षण है। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राकेश चन्द्र रमोला को लगातार चौथे वर्ष स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा घोषित दुनिया के टॉप 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि पूरे राज्य और देश के लिए वैज्ञानिक क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रमाण भी है।

प्रोफेसर रमोला टिहरी गढ़वाल के मूल निवासी हैं और गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बादशाहीथौल परिसर में भौतिक विज्ञान विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उनके अथक परिश्रम, नवीन शोध और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई है। चार वर्षों तक लगातार इस सूची में बने रहना उनके सतत योगदान और शोध की गुणवत्ता का प्रतीक है।

यह उपलब्धि उत्तराखंड के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। यह दिखाता है कि प्रदेश से निकलकर भी विश्वस्तरीय अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल की जा सकती है। राज्य सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए यह अवसर है कि वे ऐसे प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों को और अधिक प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराएं, ताकि उनके शोध कार्य और अधिक व्यापक प्रभाव डाल सकें।

विश्व स्तर पर इस तरह की मान्यता मिलने से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि भारतीय वैज्ञानिक सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा और मेहनत से मुकाम हासिल कर सकते हैं। प्रोफेसर रमोला की यह उपलब्धि हमें यह भी याद दिलाती है कि शिक्षा और अनुसंधान में निरंतरता, समर्पण और उत्कृष्टता ही सफलता की कुंजी है।

आखिरकार, प्रोफेसर रमोला का नाम उत्तराखंड और भारत को विश्व पटल पर रोशन करने वाला प्रेरक उदाहरण बन गया है। यह उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व का विषय है और यह प्रेरणा देती है कि छोटे शहर और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले लोग भी वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

अमेरिका की सरकार कंगाली की कगार पर

पूंजीवादी व्यवस्था अपने चरम पर

सनत जैन

दुनिया की सबसे ताक़तवर अर्थव्यवस्था वाली अमेरिकी सरकार कंगाली की कगार पर खड़ी हो गई है। यह स्थिति बजट विवाद या प्रशासनिक असफलता का नहीं है, बल्कि उस पूंजीवादी व्यवस्था की नंगी सच्चाई है, जिसने वहां की आम जनता का आर्थिक शोषण करते हुए कॉर्पोरेट घरानों की तिजोरियां भर दी हैं। आंकड़े बताते हैं, अमेरिकी सरकार दो ट्रिलियन डॉलर के घाटे में चल रही है। संसद में बजट पास न होने की स्थिति में शटडाउन का खतरा मंडराने लगा है। बजट की अनुमति नहीं मिलने पर सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलेगा। अमेरिका की पूरी अर्थ व्यवस्था ठप्प पड़ जाएगी। सरकार एक तरह से ऑक्सीजन पर निर्भर हो जाएगी। यह कंगाली अचानक नहीं आई है। डोनाल्ड ट्रंप और उनसे पहले की सरकारों ने कॉरपोरेट को लगातार टैक्स छूट, कॉर्पोरेट पर नरमी और जनता पर टैक्स का बोझ डालने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नतीजा यह हुआ कि तंबाकू, बैंकिंग, टेक और दवा कंपनियों जैसे सेक्टर में कार्पोरेट 75 से 80 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कमा रहे हैं। उत्पादन और खेती से जुड़ा वर्ग महज 1-8 प्रतिशत पर सिमट गया है। मेहनत करने वाले अमेरिकी नागरिक लगातार पिस रहे हैं। वहीं पूंजीपति वर्ग दिन-दूनी रात-चौगुनी कमाई कर रहा है। सबसे भयावह स्थिति हेल्थकेयर सेक्टर की है। अमेरिका में प्रति व्यक्ति करीब 11 लाख रुपए सालाना स्वास्थ्य पर खर्च होते हैं। जो जर्मनी, फ्रांस या कनाडा जैसे विकसित देशों से 2 से 3 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके, जनता को गुणवत्तापूर्ण सुविधा नहीं मिल रही है। 20 से 40 गुना महंगी दवाएं अमेरिका में बिकती हैं। डॉक्टरों की फीस भी अमेरिका मे अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा है। अस्पतालों में भर्ती होना या सर्जरी कराना आम नागरिक के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। उसे इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। जिसके कारण वह कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। आम आदमी का यही पैसा फार्मा और बीमा कंपनियों की जेब में जा रहा है। जिसके कारण फार्मा और बीमा कंपनियों की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। यह दो सेक्टर अमेरिका की राजनीति को प्रभावित करते हैं। सरकार उनके अनुसार ही नीतियां बनाती है। कॉर्पोरेट का अमेरिका की राजनीति में गहरा प्रभाव होने से आम आदमी की आर्थिक स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। पूंजीवाद की यह बीमारी अमेरिका को अंदर से खोखला कर रही है। सरकार ने विदेशी सहायता घटाई है। पब्लिक सेक्टर की संपत्तियों को बेच दिया है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार लगातार कटौती कर रही है। इसके बाद भी सरकार का घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। इसकी वजह साफ़ है, अमेरिका में कॉर्पोरेट के मुनाफे पर कोई अंकुश नहीं है। बैंकिंग सेक्टर 99 प्रतिशत मार्जिन से कमाई कर रहा है। टैक्स बोझ केवल आम नागरिकों पर है। अमेरिका की सरकार कॉरपोरेट को टैक्स छूट के साथ-साथ हर सुविधा दे रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयात पर टैरिफ और अप्रत्यक्ष टैक्स बढ़ाकर जनता की जेब से वसूली कर रहे हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की सरकार कार्पोरेट जगत के अरबों-खरबों की कॉर्पोरेट कमाई पर चुप्पी साध रखी है, जिससे अमेरिका की जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह संकट दुनिया के लिए एक बडी चेतावनी है। भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को यह समझना होगा। अगर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से बाजार को कॉर्पोरेट के हवाले कर दिया गया तो आम जनता और सरकार का हाल, वही होगा जो आज अमेरिका का हो चुका है। सरकार के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। आम लोगों के बजट में कटौती होती जा रही है। महंगाई बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है। कमाई ओर बचत कम होती चली जा रही है। सरकारें कंगाल होती जा रही हैं, और जनता गुलाम होने जैसी स्थिति में पहुंच गई है। पूंजीवाद का यह चरम रूप है, जिसने अमेरिका जैसे देश में लोकतंत्र को खोखला कर दिया है। अमेरिका की संसद मे नीतियां जनता के लिए नहीं, बल्कि कंपनियों के हित के लिए बन रही हैं।

अमेरिका की वर्तमान स्थिति केवल उसकी आंतरिक समस्या नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए कहा जा सकता है, वैश्विक पूंजीवादी मॉडल की असफलता है। वैश्विक व्यापार संधि के माध्यम से पूंजीवाद को अमेरिका से पूरी दुनिया में फैलाने की कोशिश की गई थी। वह अपने वीभत्स रूप में अमेरिका में ही देखने को मिल रही है। सवाल यह है, चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या फिर अमेरिका की राह पर चलते हुए भारत सहित दुनिया के सारे देश आर्थिक संकट और लोकतंत्र के लिए चुनौती साबित होंगे? वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो बाजारवाद की लहर पूरी दुनिया के देशों में पहुंची थी, उसके कारण आम आदमी से लेकर सरकारें सभी कर्ज में डूबी हुई हैं। कॉरपोरेट दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे हैं। आम जनता कर्ज और टैक्स के बोझ से दबी हुई है। इसके बाद भी दुनिया की सभी सरकारों का कर्ज बढ़ता ही जा रहा है।

दीपावली का बदलता स्वरूप पर्यावरण के लिए उचित या अनुचित, एक विश्लेषण

दीपावलीः रोशनी का उत्सव, वायु प्रदूषण नहीं

दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश की विजय और जीवन में नई ऊर्जा का प्रतीक है। परंतु आधुनिक समय में यह उत्सव पटाखों और धुएँ के कारण प्रदूषण का पर्याय बन गया है। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद वायु गुणवत्ता अक्सर गंभीर स्तर तक गिर जाती है। घने धुएँ और विषैले कण न केवल दृश्यता को कम करते हैं, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल बना देते हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए भी खतरा है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो पटाखों से निकलने वाला धुआँ क्क2.5 और क्क10 जैसे सूक्ष्म कणों से भरा होता है। ये इतने छोटे होते हैं कि श्वसन तंत्र में गहराई तक पहुँचकर फेफड़ों में जमा हो जाते हैं। लंबे समय में ये कण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। 2023 में दिल्ली में दीवाली की रात को क्क2.5 स्तर 1,985 द्बद्/द्व तक पहुँच गया, जो सुरक्षित मानक से लगभग 30 गुना अधिक था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ढ्ड) की रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण हर वर्ष विश्वभर में लगभग 70 लाख लोगों की समयपूर्व मौतों के लिए जिम्मेदार है। भारत जैसे देशों में, जहाँ पहले से ही प्रदूषण स्तर ऊँचा है, पटाखों का अतिरिक्त बोझ हालात को और बिगाड़ देता है। दीवाली के अवसर पर वायु गुणवत्ता में अचानक गिरावट इस वैश्विक संकट को और गहरा करती है।

लेकिन समस्या यहीं तक सीमित नहीं है। दीवाली के अगले दिन हम एक और गंभीर समस्या का सामना करते हैं, भूमि और जल प्रदूषण। चारों ओर बिखरे पटाखों के अवशेष नालों और नदियों तक पहुँचकर जल को दूषित करते हैं। इन अवशेषों में सल्फर, बैरियम, सीसा और स्ट्रोंशियम जैसे भारी धातु और रासायनिक तत्व पाए जाते हैं, जो न केवल जलजीवों को प्रभावित करते हैं बल्कि भोजन श्रृंखला में प्रवेश कर मानव स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुँचाते हैं। वहीं, उच्च क्षमता वाले पटाखों के कारण हर वर्ष सैकड़ों दुर्घटनाएँ और हताहत होने की घटनाएँ दर्ज होती हैं। जब वायु, जल और भूमि, तीनों ही प्रदूषित हों और मानव तथा पशु-पक्षियों का जीवन जोखिम में पड़े, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर किस दृष्टिकोण से पटाखों को सुरक्षित कहा जा सकता है?

हालाँकि सरकार और न्यायालयों ने पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास किए हैं, लेकिन इन प्रतिबंधों का पालन सुनिश्चित करना अभी भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। 2024 में दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद, दीवाली की रात को वायु गुणवत्ता सूचकांक (त्नढ्ढ) 348 तक पहुँच गया, जो ÷खतरनाक÷ श्रेणी में आता है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि केवल कानून से समाधान संभव नहीं है। असल सवाल यह है कि क्या हमें सही और गलत को समझने के लिए हर बार कानून का सहारा लेना पड़ेगा? बचपन से शिक्षा पाने और सरकार, गैर-सरकारी संगठनों व पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा बार-बार चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों के बावजूद हम आज तक क्यों नहीं समझ पाए कि पटाखों से निकलने वाला धुआँ हमारे स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक है?

आंकड़ों के अनुसार, 2023 में भारत में पटाखों का उपयोग लगभग 30% बढ़ा है। यह वृद्धि दर्शाती है कि हम जानते हुए भी, परंपरा के नाम पर पर्यावरणीय नुकसान को नजरअंदाज कर रहे हैं। किसी भी पर्यावरणीय नुकसान का असर हम पर ही पड़ता है; क्योंकि यह हम, मानव जाति हैं जो इसके प्रभावों से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, और हमारे साथ-साथ पशु-पक्षी भी।

पटाखे कभी भी प्राचीन परंपरा का हिस्सा नहीं रहे; ये औद्योगिकीकरण के बाद हमारी संस्कृति में जुड़े। असली दीवाली दीपों, सजावट, व्यंजनों और परिवार के साथ बिताए पलों से जुड़ी रही है। प्रत्येक परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि वे पटाखों से दूरी बनाएंगे और अपने बच्चों को एक स्वच्छ वातावरण देंगे। स्वच्छ हवा कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हमारा मौलिक अधिकार (ह्लद्धह्लद्ग 21) है, और इसकी रक्षा करना ही सबसे बड़ा उत्सव है। यह समय बदलाव का है, और यह बदलाव हमसे शुरू होता है।

आशा रतूड़ी, पर्यावरण विशेषज्ञ
उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

संघ शताब्दी वर्ष पर विशेष आलेख

राष्ट्र जागरण की साधना के सौ वर्ष की यात्रा

हितानंद शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा वास्तव में राष्ट्र जागरण की ध्येय यात्रा है। वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर के मोहिते बाड़ा में रोपा गया राष्ट्र साधना का छोटा सा बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। राष्ट्र प्रथम के एकनिष्ठ भाव के साथ किए जा रहे सतत और अनथक प्रयासों से संघ की पहचान आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में बनी है। राष्ट्र, संस्कृति, धर्म एवं समाज के हित में सर्वस्व अर्पण कर देने वाले स्वयंसेवक भारत के पुनरुत्थान की साधना में निरंतर लगे हुए हैं। संघ शताब्दी वर्ष चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ बढ़ रहे वैचारिक अधिष्ठान का एक सोपान है।

संघ के आद्य सरसंघचालक परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य भारत को स्वाधीन बनाने के साथ ही स्व-बोध की चेतना से युक्त एक संगठित समाज का निर्माण करना था। माँ भारती को परम वैभव पर आसीन करने की 100 वर्षों की यह यात्रा सरल नहीं रही। अनेक कठिनाइयों, विरोधों और बाधाओं को ही मार्ग बनाते हुए संघ ने भारत माता की सेवा में व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का कार्य सतत जारी रखा है।

स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के पश्चात संघ ने समाज को देश की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात् भी जब देश में औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित और गुलाम पीढ़ी तैयार करने वाली मैकाले शिक्षा पद्धति जारी रखी गई तब संघ प्रेरणा से 1952 में 'विद्या भारती' की स्थापना की गई, जो शिक्षा एवं संस्कार देने वाला आज विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शैक्षणिक संगठन है। युवाओं को राष्ट्रीय विचारों से जोड़ने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, श्रमिकों के हित में कार्य करने भारतीय मजदूर संघ, किसानों के लिए भारतीय किसान संघ, सेवा कार्यों के लिए सेवा भारती और संस्कार भारती आदि अनेक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से स्वयंसेवकों द्वारा स्थापित किए गए जो आज भी समाज में सक्रियता से कार्य कर रहे हैं। 1936 में स्थापित राष्ट्र सेविका समिति के साथ मिलकर संगठन ने महिलाओं की भूमिका को भी समान महत्व दिया है। आज विचार परिवार के प्रत्येक संगठन में महिला नेतृत्व की सशक्त उपस्थिति इसी दृष्टिकोण का परिणाम है।

स्वतंत्रता के पश्चात् जब भारतीय राजनीति अपने मूल और दिशा से भटकने लगी, देश की संप्रभुता के लिए ही संकट उत्पन्न हो गया, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना की। भारतीय जनसंघ आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। इसे एक ऐसे संगठन के रूप में भी समाज का सम्मान प्राप्त होता है, जिसने अपने गठन के समय से चले आ रहे लगभग सभी प्रमुख संकल्पों को पूर्ण करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना इसी विचारधारा के ऐतिहासिक कार्य हैं।

संघ की सौ वर्ष की यात्रा कठिन चुनौतियों से भरी रही है। संघ अपने आरंभिक काल से ही अपनों के ही विरोध, आक्रमण, उपहास और अपमान सहकर भी इस अनवरत यात्रा में आगे बढ़ा है। महात्मा गांधी की हत्या के मिथ्या आरोप, दो बार लगाए गए प्रतिबंध, आपातकाल की असहनीय यातनाएं और तमाम विरोधों के पश्चात भी संघ अपने संकल्पों पर दृढ़ रहा। इस साधना की यज्ञ वेदी में असंख्य स्वयंसेवक समिधा बन कर होम भी हुए हैं। स्वयंसेवकों की तपस्या और प्रचारकों के समर्पण ने संगठन को उस स्थिति तक पहुंचाया, जहां आज विश्वभर में लोग संघ को निकट से जानना और उससे जुड़ना चाहते हैं।

भारत के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास, संस्कृति, ज्ञान-परंपरा के संघरूपी वटवृक्ष की जड़ें गहरे तक समायी हुई हैं। संघ की शाखाएं संगठन का सबसे प्रबल पक्ष हैं। समाज में यह वाक्य प्रचलन में भी आ चुका है कि यदि संघ को समझना है तो शाखा में जाकर भलीभांति समझा जा सकता है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की नर्सरी भी कही जाती हैं। शाखा के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक विकास होता है। खेल, गीत, अनुशासन और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें नेतृत्व, अनुशासन, बंधुत्व और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं के माध्यम से समाज का ऐसा संगठन तैयार हुआ है कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदाओं, मानवीय संकटों और विदेशी आक्रमणों, हर परिस्थिति में संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले सेवा कार्य के लिए उपस्थित रहते हैं। गुजरात के भुज में आए भूकंप से लेकर हाल की भीषण बाढ़ की घटनाओं और कोरोना महामारी के दौरान भोजन, परिवहन, दवाइयों से लेकर पीड़ितों के अंतिम संस्कार तक की सेवाओं में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। इससे पूर्व स्वतंत्रता संग्राम, गोवा मुक्ति आंदोलन, कश्मीर के भारत में विलय, चीन के आक्रमण जैसे ऐतिहासिक घटनाक्रमों में भी संघ की भूमिका उल्लेखनीय रही।

शताब्दी वर्ष संघ की संकल्प यात्रा को और अधिक गति देने का अवसर है। संगठन 'पंच परिवर्तन' के माध्यम से स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन जैसे विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय है। शताब्दी वर्ष के इस महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय अवसर पर संघ किसी भव्य आयोजन की बजाय प्रत्येक भारतीय नागरिक तक पहुंचकर उसे अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का बोध कराने का कार्य कर रहा है।

संघ का कार्यकर्ता होना जीवन को राष्ट्र सेवा की दिशा में लगा देने की प्रक्रिया है। शाखा का संस्कार व्यक्ति में मातृभूमि के प्रति ऐसा असीम प्रेम जगा देता है कि वह निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। स्वयंसेवक के लिए ÷भारत माता की जय÷ ही उसका परम ध्येय बन जाता है।

2026 में जब संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण होगा, तब लक्ष्य यही रहेगा कि प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र यज्ञ में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, ताकि भारत फिर से विश्वगुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शन कर सके। इस लक्ष्य के साधक होने के नाते हम सब भी इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी-अपनी कर्तव्यों रूपी समिधा आहूत करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के संकल्प को साकार कर रहे जिलाधिकारी सविन बंसल

धुंध और उबड़-खाबड़ सड़कों के बीच प्रशासनिक अमले संग डीएम का दूरस्थ क्षेत्र का दौरा

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के ÷दुर्गम प्रथम÷ संकल्प को आगे बढ़ाते हुए जिलाधिकारी सविन बंसल मंगलवार को विकासखंड कालसी के सुदूरवर्ती क्षेत्र उटैल-बैसोगिलानी पहुंचे और वहां आयोजित वृहद बहुउद्देशीय शिविर की अध्यक्षता की। इस दौरान डीएम ने 166 शिकायतें सुनीं, जिनमें से 56 का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

पेयजल व बिजली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई

ग्रामीणों की पानी संबंधी समस्याओं पर डीएम ने जलसंस्थान व पेयजल निगम के अधिकारियों को तत्काल मौके पर भेजा और आधे घंटे में एटीआर मांगा। वहीं उटैल निवासी गरीब जौहर सिंह का 15 हजार का बिजली बिल डीएम ने रायफल फंड से माफ कर भुगतान कराया।

कूड़ा निस्तारण और सड़कों की मरम्मत पर भी फैसले

कालसी मुख्यालय में कूड़ा निस्तारण की मांग पर डीएम ने एसडीएम को शासकीय भूमि चयन कर जिला पंचायत के माध्यम से समाधान के निर्देश दिए। अमराव क्षेत्र में कृषि भूमि क्षति की शिकायत पर मुख्य कृषि अधिकारी से एक सप्ताह में रिपोर्ट तलब की गई।

साथ ही दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी ब्लॉक सड़क के लिए तत्काल धन स्वीकृत कर लोनिवि को मरम्मत का निर्देश दिया

गया।

स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ

शिविर में 442 लोगों की स्वास्थ्य जांच हुई। एलोपैथी में 268 और होम्योपैथी में 140 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाएं दी गईं। समाज कल्याण विभाग द्वारा 06 वृद्धावस्था, 01 विधवा व 08 दिव्यांग पेंशन स्वीकृत की गई। 'वयोश्री योजना' के तहत 62 वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण और 08 दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई।

महिला समूहों और किसानों को आर्थिक सहयोग

कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत एनआरएलएम समूह नई दिशा महिला स्वयं सहायता समूह को 05 लाख की फार्म मशीनरी बैंक और 04 लाख का चेक प्रदान किया गया।

सहकारिता विभाग ने शिव कृषक स्वयं सहायता समूह को 05 लाख और पशुपालक संदीप चौहान को 1.60 लाख का चेक दिया। कृषि विभाग ने 36 किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि और 68 किसानों को कृषि यंत्र एवं दवाएं वितरित कीं, जबकि उद्यान विभाग ने 23 किसानों को बीज और उपकरण उपलब्ध कराए।

पोषण और महिला सशक्तिकरण योजनाएं

बाल विकास विभाग ने 03 गोदभराई, 03 अन्नप्राशन, 10 किशोरी पोषण किट, 05 महालक्ष्मी किट और कुपोषित बच्चों को पोषण किट वितरित की।

ग्रामीणों की विविध शिकायतों का समाधान

शिविर में सड़कों, पेयजल, बिजली, शिक्षा, सिंचाई, आपदा से क्षतिग्रस्त संपत्तियों का पुनर्निर्माण, जन्म प्रमाण पत्र, मुआवजा और आर्थिक सहायता से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। कई गांवों में पेयजल लाइनों की मरम्मत, सड़कों का हस्तांतरण और विद्युत लाइन बिछाने के लिए विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

25 विभागों के स्टॉल, 555 लोगों को लाभ

शिविर में 25 विभागों के स्टॉल लगे, जिनके माध्यम से 555 से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। राजस्व विभाग ने 11 आय, जाति व स्थायी प्रमाण पत्र जारी किए। पंचायती राज विभाग ने परिवार रजिस्टर की नकल, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र व नए राशन कार्ड आवेदन स्वीकृत किए। श्रम विभाग ने 33 श्रमिकों का पंजीकरण किया।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनते रहे डीएम

शिविर में ग्राम थैना, उटैल, कहानैरा, भागना, खतार, कोप्टी, भन्द्रोटा, गोथान, विसोई आदि गांवों के लोगों ने डीएम से अपनी समस्याएं रखीं। डीएम ने हर समस्या पर गंभीरता से विचार कर अधिकारियों को प्राथमिकता से समाधान के निर्देश दिए।

शिविर में ब्लॉक प्रमुख कालसी मीरा चौहान, जिप सदस्य रेखा नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य राकेश सिंह तोमर सहित ग्राम प्रधान, मंडल अध्यक्ष, एसडीएम योगेश मेहरा, एसडीएम चकराता प्रेमलाल, परियोजना निदेशक विक्रम सिंह, सीएमओ और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

सीएम पुष्कर धामी से मिले एबीवीपी के विजयी प्रत्याशी, युवा राज्य की प्रगति की असली शक्ति

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देहरादून जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के विजयी प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री आवास में शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सभी विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा ही देश और राज्य की प्रगति की असली शक्ति हैं। उनकी सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। विजयी प्रत्याशियों ने मुख्यमंत्री को अपनी आगामी योजनाओं और छात्र समाज के हित में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उन्हें मार्गदर्शन और सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के विकास और उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

पत्रकार राजीव प्रताप की मौत की गुत्थी सुलझाने को एनयूजे ने उच्चस्तरीय एसआईटी जांच की मांग उठाई

राजीव प्रताप प्रकरण में गहराया संदेह, एनयूजे ने कहा- हत्या की आशंका से इनकार नहीं

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (एनयूजे उत्तराखण्ड) ने उत्तरकाशी के पत्रकार राजीव प्रताप की रहस्यमयी मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए उच्चस्तरीय एसआईटी जांच कराने की मांग की है। यूनियन के मार्गदर्शक एवं संरक्षक त्रिलोक चन्द्र भट्ट ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कहा है कि मामले में हत्या की प्रबल आशंका है, इसलिए निष्पक्ष व गहन जांच आवश्यक है। श्री भट्ट ने अपने पत्र में कहा कि राजीव प्रताप 18 सितम्बर को गंगोत्री क्षेत्र से लापता हुए थे और दस दिन बाद उनका शव उत्तरकाशी के जोशीयाड़ा बैराज की झील से बरामद हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि मृतक आमतौर पर पेंट, कमीज, जूते और मोजे पहनते थे, लेकिन जब शव मिला तो उनके शरीर पर केवल अंडरवियर था। ऐसे में हत्या कर शव को गंगा में फेंके जाने की आशंका गहराती है। भट्ट ने यह भी कहा कि शव गंगा की तीव्र धारा में आठ किलोमीटर बहने के बाद झील तक पहुंचा, लेकिन उस पर कहीं भी चोट, खरोंच या छिलने के निशान नहीं थे। मेडिकल सूत्रों के अनुसार मौत का कारण छाती में अंदरूनी चोट और पानी में डूबना बताया गया है, जो संदेह को और गहरा करता है। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला किसी गहरी साजिश की ओर इशारा करता है। गौरतलब है कि 18 सितम्बर को राजीव प्रताप अपने दोस्त की कार लेकर गंगोरी की ओर गए थे। अगले दिन कार भागीरथी नदी में स्यूंणा गांव के पास मिली थी, जिसमें कोई मौजूद नहीं था। परिजनों के संदेह के आधार पर पुलिस ने पहले गुमशुदगी का केस दर्ज किया था, जिसे बाद में अपहरण की धाराओं में तब्दील किया गया। इसके बावजूद तमाम तलाशी अभियानों के दौरान राजीव का कोई सुराग नहीं मिला।

प्रदेश में निर्माण कार्यों में तेजी और सभी सड़कें गड्ढामुक्त करने के निर्देश: मुख्यमंत्री धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में निर्माण और नव निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि अब मानसून की अवधि समाप्त हो चुकी है, ऐसे में सभी विभाग धरातल पर कार्यों की रफ्तार बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया कि सभी सड़कों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गड्ढामुक्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों से बार-बार सड़क संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जाए।

साथ ही कार्यों की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने गड्ढामुक्त सड़क अभियान की साप्ताहिक प्रगति समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, डॉ. पंकज पांडेय, विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमान, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मुकेश कुमार सेवानिवृत्त, पत्रकारों के बीच गुजारे 36 साल

पथ प्रवाह, देहरादून

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड के मुख्यालय में मंगलवार को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मुकेश कुमार के सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। विभाग में 36 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद मुकेश कुमार सेवानिवृत्त हो गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर निदेशक सूचना आशीष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह विभाग के लिए भावुक क्षण है। उन्होंने कहा कि मुकेश कुमार ने अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया और उनकी सेवाएं विभाग के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगी। संयुक्त निदेशक डॉ. नितिन उपाध्याय ने कहा कि मुकेश कुमार अपने दायित्वों के प्रति हमेशा ईमानदार और समर्पित रहे। उनका सहज व सरल व्यक्तित्व विभाग में सभी के लिए यादगार रहेगा। उप निदेशक मनोज श्रीवास्तव ने हरिद्वार जिला सूचना कार्यालय में उनकी सेवाओं से जुड़े संस्मरण साझा किए। इस अवसर पर सूचना कर्मचारी

संघ के अध्यक्ष कैलाश रावत ने उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुकेश कुमार ने हमेशा विनम्रता और समर्पण के साथ सेवा दी है। कार्यक्रम का संचालन प्रशासनिक अधिकारी विजय कुमार ने किया। समारोह में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मनोज कुमार शुक्ला, जगदीश पटवाल, सहायक लेखाकार राकेश कुमार धीवान, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक एम.पी. कैलखुरी, सेवानिवृत्त मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पान सिंह बिष्ट, सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दयाकृष्ण पालीवाल सहित सूचना कर्मचारी संघ के पदाधिकारीगण एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुकेश कुमार को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

उत्तरकाशी से शहीद सम्मान यात्रा 2.0 का शुभारंभ, वीर सपूतों के घर-आंगन से मिट्टी होगी एकत्र

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग के तत्वावधान में आज जनपद मुख्यालय से शहीद सम्मान यात्रा 2.0 का शुभारंभ किया गया। अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र ने 20 एनसीसी कैडेट्स और भूतपूर्व सैनिकों की उपस्थिति में इस यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा के तहत जनपद के वीर शहीदों की स्मृतियों को नमन करते हुए उनके घर-आंगन से मिट्टी एकत्र की जाएगी। यात्रा आज पाइनियर शहीद रायचन्द असवाल (ग्राम बगासू, विकासखण्ड नौगांव) तथा राइफलमैन शहीद शैलेन्द्र सिंह कठैत, सेना मेडल (ग्राम कुमराड़ा, विकासखण्ड चिन्यालीसौड़) के आवास से मिट्टी लेकर आगे बढ़ेगी। यह मिट्टी शहीदों की शौर्य गाथा और राष्ट्रप्रेम की अमूल्य धरोहर के रूप में संजोई जाएगी। अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र ने कहा कि हमारे शहीदों

का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह मिट्टी केवल मिट्टी नहीं है, बल्कि हमारे शौर्य और राष्ट्रप्रेम की प्रतीक है। प्रशासन शहीदों के परिजनों के सम्मान और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शहीद सम्मान यात्रा के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी महावीर राणा, रिटायर्ड मेजर आर.एस. जमनाल, एनसीसी कैडेट्स, भूतपूर्व सैनिक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर देशभक्ति नारों और गीतों से पूरा वातावरण गूंज उठा। उत्तरकाशी से शुरू हुई यह यात्रा वीर शहीदों के बलिदान की गाथा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी।

सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अन्नदाता को मिलेगा उचित मूल्य, मंडुआ-झंगोरा की खरीद 1 अक्टूबर से होगी प्रारम्भ

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशों के अनुपालन में उत्तरकाशी जनपद में स्टेट मिलेट मिशन योजना 2025 के तहत खरीफ सत्र 2025-26 की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस योजना का उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के कृषकों से स्थानीय उत्पाद–मंडुआ, झंगोरा और अन्य पारंपरिक अनाज–की खरीद सुनिश्चित करना और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना है।

कार्यालय जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति से मिली जानकारी के अनुसार, उत्तराखण्ड राज्य की शीर्ष सहकारी संस्था उत्तराखण्ड राज्य सहकारी संघ लि0 द्वारा जनपद में कुल 13 खरीद केंद्र (कय केन्द्र) स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से 1 अक्टूबर 2025 से मंडुआ और झंगोरा सहित अन्य उत्पाद की खरीद प्रक्रिया प्रारम्भ होगी।

खरीद केंद्रों का विवरण

भटवाड़ी विकासखंड में एमपैक्स सौरा व नेताला, डुण्डा विकासखंड में एमपैक्स मातली, बड़ेथ, गेंवला, चिन्यालीसौड़ विकासखंड में एमपैक्स चिन्याली, जिब्या व दिचली पट्टी कृषक उत्पादन संगठन सहकारी समिति लि0 चिन्यालीसौड़, नौगांव

विकासखंड में एमपैक्स गंगटाड़ी, नंगाणगांव व तियां, पुरोला विकासखंड में एमपैक्स देवदुंग, तथा मोरी विकासखंड में एमपैक्स जखोल को खरीद केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

योजना के तहत सहकारी समितियां किसानों से सीधे उपज खरीदेंगी और उन्हें समय पर भुगतान सुनिश्चित कराया जाएगा। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी खरीद केंद्रों पर पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखी जाए। इस पहल से न केवल किसानों को आर्थिक मजबूती मिलेगी बल्कि मंडुआ और झंगोरा जैसे पारंपरिक मोटे अनाजों को बढ़ावा भी मिलेगा, जो राज्य की सांस्कृतिक और पोषणीय धरोहर हैं।

स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा उत्तरकाशी में अब तक 39,349 लोगों की स्वास्थ्य जांच, आज जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। स्वास्थ्य विभाग उत्तरकाशी द्वारा चलाए जा रहे स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। मंगलवार को जनपद की विभिन्न चिकित्सा इकाइयों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 91 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 2,633 लोगों की जांच की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. बी.एस. रावत ने जानकारी दी कि आज आयोजित शिविरों में 1,275 लोगों का उच्च रक्तचाप, 920 का मधुमेह, 283 का ब्रेस्ट कैंसर, 608 का ओरल कैंसर, 442 का हीमोग्लोबिन, 102 महिलाओं का एएनसी तथा 192 का टीबी स्क्रीनिंग टेस्ट किया गया। इसके अतिरिक्त 57 स्वेच्छासेवी रक्तदाताओं ने रक्तदान हेतु पंजीकरण कराया।

डॉ. रावत ने बताया कि 17 सितंबर से स्वास्थ्य सेवा पखवाड़े की शुरुआत से लेकर अब तक जनपद में कुल 39,349 लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। अभियान का

उद्देश्य आमजन तक निवारक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने आगे बताया कि आज बुधवार को जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लेकर रक्तदान करें और जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में सहयोग दें।

स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस तरह के शिविर न केवल बीमारियों की रोकथाम में कारगर साबित हो रहे हैं, बल्कि समाज में रक्तदान - महादान जैसे संदेश को भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

एक नजर

उत्तरकाशी में पत्रकार राजीव का शव बरामद, अपहरण व हत्या का आशंका

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। उत्तरकाशी में पत्रकार राजीव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हो गया है। उनकी मौत पर हत्या और अपहरण की आशंका जताई जा रही है। एसपी उत्तरकाशी सरिता डोबाल ने बताया कि राजीव अपने दोस्तों के साथ गया था। जबकि पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य रेस्क्यू टीमों ने 19 सितम्बर 2025 से लगातार उनकी तलाश के लिए प्रयास कर रही थी। ताकि राजीव की खोज व उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान रेस्क्यू टीम द्वारा ड्रोन कैमरा, डॉक स्कैनर आदि का भी प्रयोग किया गया। परिजनों द्वारा राजीव के अपहरण की आशंका जताए जाने के बाद 20.09.2025 को पुलिस ने उसे बरामद करने के प्रयास किए। एसपी उत्तरकाशी सरिता डोबाल ने बताया कि 28/09/2025 को उत्तरकाशी, जोशिहाड़ा बैराज में पुलिस और रेस्क्यू टीम को एक शव मिला। परिजनों को शव दिखाकर पहचान कराई गई, जिसमें गुमशुदा राजीव प्रताप के रूप में पुष्टि हुई। शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों द्वारा किया गया, जिसमें उसके शरीर के चेस्ट और एब्डोमिनल हिस्से में कुछ आंतरिक चोटें पाई गईं। शुरुआती अनुमान के अनुसार यह चोटें दुर्घटना के समय हुई हो सकती हैं, जिससे मृत्यु हो सकती है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 18 सितम्बर 2025 की रात राजीव अपने दोस्त के साथ उत्तरकाशी बस अड्डे, चौहान होटल आया। खाना खाने के बाद राजीव अपने दोस्त की अल्टो कार (च 10ष्ठङ्क 4391) लेकर उत्तरकाशी से गंगोली की ओर गया। जब वह वापस नहीं लौटा, तो अगले दिन 19 सितम्बर 2025 को उसके दोस्त द्वारा इसकी जानकारी राजीव के परिजनों को दी गई। इसके बाद पुलिस द्वारा कोतवाली उत्तरकाशी में अपहरण/गुमशुदगी का मामला दर्ज कर गहन तलाशी शुरू की गई। मामले में विवेचनात्मक कार्यवाही जारी है। जो भी तथ्य सामने आते हैं, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक कांड में सीबीआई जांच की धामी सरकार की घोषणा से युवाओं में खुशी, उत्तरकाशी भाजपा ने जश्न मनाया

पथ प्रवाह , उत्तरकाशी। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (चस्स्स्ष्ट) की स्नातक स्तरीय परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सीबीआई जांच की घोषणा किए जाने के बाद प्रदेशभर में युवाओं और अभ्यर्थियों में राहत और खुशी का माहौल है। आंदोलनरत युवाओं की मांग पर मुख्यमंत्री ने सोमवार को धरनास्थल पहुंचकर यह घोषणा की थी। इस फैसले के स्वागत में मंगलवार को उत्तरकाशी में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने बस स्टैंड पर जिला अध्यक्ष नागेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में एकत्रित होकर जश्न मनाया और पुष्कर सिंह धामी जिंदाबाद के नारे लगाए। जिला अध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने कहा कि पेपर लीक कांड में दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि धामी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। सीबीआई जांच की मंजूरी देकर सरकार ने युवाओं का भरोसा मजबूत करने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले धामी सरकार ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज यूसी ध्यानी की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी अब तक की जांच में मुख्य आरोपी खालिद और उसकी बहन साबिया को गिरफ्तार कर चुकी है, साथ ही कई कर्मचारियों को निलंबित भी किया गया है। इस मौके पर जिला महामंत्री महावीर सिंह नेगी, राजेंद्र सिंह गंगाडी, गौतम रावत, नितिन पयाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेना और पुलिस में समर्पण की मिसाल बने धीर सिंह, अधिवर्षता पर हुए सेवानिवृत्त

उत्तरकाशी पुलिस परिवार ने आरक्षी धीर सिंह को दी भावभीनी विदाई

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। पर्वतीय सीमांत क्षेत्र उत्तरकाशी पुलिस लाइन ज्ञानसू में मंगलवार को एक भावनात्मक क्षण देखने को मिला, जब आरक्षी धीर सिंह पुलिस विभाग से अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में पूरे पुलिस परिवार ने उन्हें सम्मान और स्नेह से विदा किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार ने सेवानिवृत्त हो रहे धीर सिंह को शॉल, प्रशस्ति पत्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने पुलिस विभाग को दी गई उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं। अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। धीर सिंह जनपद देहरादून के निवासी हैं। उन्होंने वर्ष 1985 से 2011 तक भारतीय सेना में सेवा दी और फिर वर्ष 2012 से पुलिस विभाग में कार्यरत रहे।

वर्तमान में वे पुलिस लाइन उत्तरकाशी में नियुक्त थे। समारोह के दौरान उन्होंने अपने सेवा अनुभव साझा करते हुए पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के सहयोग और साथ के लिए आभार व्यक्त किया। विदाई समारोह में प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार, धीर सिंह के परिजन और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

छुपा-छुपी का खेल खत्म, 360 कैन बियर के साथ टैक्सी चालक गिरफ्तार

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़

पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में जनपद में अवैध शराब, चरस, स्मैक एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, विगत दिवस देर रात्रि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम –उपनिरीक्षक कमलेश चन्द्र, हे0का0 दीपक खनका (SOG), का0 सोनू कार्की (SOG), का0 गोविन्द रौतेला (SOG) एवं का0 प्रकाश नगरकोटी (SOG) द्वारा मुखबिर की सूचना पर घण्टाकरण में वाहनों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान एक टैक्सी को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें से कुल 15 गत्ते की पेटियों में 360 कैन अवैध बियर बरामद की

गई। मौके पर अभियुक्त किरन कुमार कोहली पुत्र शोबन राम निवासी ग्राम सलकोट खटीगांव, पिथौरागढ़ को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध कोतवाली पिथौरागढ़ में धारा 60/72 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

जिलाधिकारी पिथौरागढ़ ने दुर्घटना के कारणों की जीवी मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु जॉच अधिकारी / मजिस्ट्रेट नामित

पथ प्रवाह, संवाददाता, जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़

जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने दुर्घटना के कारणों की जीवी मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु उपजिला मजिस्ट्रेट, पिथौरागढ़ को जॉच अधिकारी / मजिस्ट्रेट नामित किया। बताते चलें कि जयन्ती देवी पत्नी अर्जुन राम, निवासी ग्राम भटयूडा तहसील व जनपद पिथौरागढ़ द्वारा 19 सितंबर 2025 को एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया है कि दिनांक 13 अगस्त 2024 को शवयात्रा में जाने के दौरान प्रार्थिनी के पति अर्जुन राम, रामेश्वर घाट में डूब गये, जिनका आतिथि तक कोई पता नहीं चल पाया है। जयन्ती देवी पत्नी अर्जुन राम, निवासी ग्राम भटयूडा तहसील व जनपद पिथौरागढ़ के अनुरोध पर दूसरी दुर्घटना में बता दें कि सुन्दर सिंह अन्ना पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी ग्राम डुंडुं जनपद पिथौरागढ़ द्वारा 10 सितंबर 2025 को एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया है कि विगत 21जुलाई 2025 को ग्राम सभा डोडा के चकद्वारी तोक के निवासी शोबन सिंह बकरी चराते समय चट्टान से फिसलकर काली नदी में गिर के बह गया। उक्त व्यक्ति का आतिथि तक कोई पता नहीं चल पाया हैउपरोक्त दुर्घटनाओं के कारणों की मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु उपजिला मजिस्ट्रेट, पिथौरागढ़ को जॉच अधिकारी / मजिस्ट्रेट नामित किया जाता है। उपजिला मजिस्ट्रेट, पिथौरागढ़ इस दुर्घटना के सम्बन्ध में जाँच करने उपरान्त मजिस्ट्रीयल जॉच आख्या जिलाधिकारी को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगें। जिलाधिकारी गोस्वामी ने सुन्दर सिंह अन्ना पुत्र लक्ष्मण सिंह के अनुरोध पर उक्त दुर्घटना के कारणों की मजिस्ट्रीयल जॉच हेतु उपजिला मजिस्ट्रेट, डीडीहाट को जॉच अधिकारी /मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। उपजिला मजिस्ट्रेट, डीडीहाट इस दुर्घटना के संबंध में जॉच करने उपरान्त मजिस्ट्रीयल जांच आख्या जिलाधिकारी को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगें।

गंगोलीहाट में पशु बलि निवारण जन चेतना गोष्ठी का आयोजन

पथ प्रवाह, संवाददाता, जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़

उत्तराखण पशु कल्याण बोर्ड देहरादून द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत् हाट कालिका मंदिर परिसर गंगोलीहाट में पशु बलि निवारण जन चेतना गोष्ठी का आयोजन किया गया । इस गोष्ठी में नगर पालिका परिषद गंगोलीहाट के नगर अध्यक्ष विमल रावल, विकासखण्ड गंगोलीहॉट के क्षेत्र प्रमुख विनोद प्रसाद, हॉटकालिका मंदिर समिति के अध्यक्ष हरगोविंद रावल, मंदिर के पुजारी दीप चंद्र पंत, रामलीला कमेटी के हेमराज रावल सहित विभागीय अधिकारी,उपजिलाधिकारी गंगोलीहाट यशवीर सिंह डा0 मंजू असवाल,पशु चिकित्साधिकारी गंगोलीहाट, पुलिस, राजस्व आदि उपस्थित रहे।

जन चेतना में %पशु बलि% न करने के संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष, प्रमुख व पुजारी द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गये। । जन चेतना में व्यापक स्तर पर प्रचार करने पर चर्चा

हुई। उपजिलाधिकारी द्वारा आईपीसी/भारतीय न्याय संहिता ,पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के प्रावधानो को बताया गया तथा नए वध करने पर आपराधिक कानून में धारा 325 में पाँच साल तक की सजा होने के बारे में जानकारी दी गयी।

एक नजर

थाना मुनस्यारी में अवैध भांग की खेती को नष्ट किया गया

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संचालित ÷नशा मुक्त उत्तराखण्ड÷ अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के कुशल निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की अवैध तस्करी एवं उत्पादन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज, थानाध्यक्ष मुनस्यारी अनिल आर्या के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ग्राम फापा क्षेत्र में की जा रही लगभग 02 नाली में फैली अवैध भांग की खेती को नष्ट किया गया। इसी क्रम में आज, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन जोशी के नेतृत्व में, चौकी एंचोली प्रभारी उपनिरीक्षक कमलेश जोशी मय पुलिस टीम द्वारा ग्राम रावल गांव क्षेत्र में की जा रही लगभग 15 नाली में फैली अवैध भांग की खेती को नष्ट किया गया। इस अवसर पर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्रीय नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशा मुक्त समाज की दिशा में सहयोग करने का आह्वान भी किया गया। जनपद पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा, तथा इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी सतत रूप से जारी रहेंगी। इस अभियान का उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों की खेती पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना तथा समाज में नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाना है।

प्रत्येक स्कूल में इंद्रमणि बडौनी की तस्वीर लगेगी : नौगाई

पथ प्रवाह, संवाददाता, पिथौरागढ़। पिथौरागढ जनपद के कनालीछीना और डीडीहाट विकासखंडों के प्रत्येक स्कूल में उत्तराखंड के गांधी कहे जाने वाले स्वर्गीय इंद्रमणि बडौनी की तस्वीर लगाई जाएगी। खंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु नौगाई ने ब्लाक संसाधन कनालीछीना के केंद्र सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तराखंड के गांधी इंद्रमणि बडोनी जी के शताब्दी वर्ष के दृष्टिगत उनकी तस्वीर को प्रत्येक विद्यालय में प्रेषित करना शुरु करदिया है। विकासखंड कनालीछीना और डीडीहाट जनपद पिथौरागढ़ के समस्त माध्यमिक विद्यालयों को बडोनी जी की तस्वीर दी गई थी। आज से उच्च प्राथमिक विद्यालयों को भी तस्वीर देने का कार्य प्रारंभ किया गया । खंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु नौगाई द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालयों को तस्वीर देने का मुख्य उद्देश्य यह है कि उत्तराखंड में श्री बडोनी जी के योगदान को बच्चों और भावी पीढ़ी तक तक पहुंचाया जाए और शताब्दी वर्ष में उनके जन्मदिवस 24 दिसंबर को लोक संस्कृति दिवस के रूप में मनाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु नौगाई के अलावा प्रभारी ब्लाक समन्वयक एन डी पंत, 30 उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापक एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

यमुनाघाटी में राजस्व व खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, चार स्टोन क्रेशर सीज

पथ प्रवाह, संवाददाता , ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। यमुनाघाटी में नियम विरुद्ध संचालित हो रहे स्टोन क्रेशरों पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक साथ चार क्रेशर सीज कर दिए। खनन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। उपजिलाधिकारी बड़कोट बृजेश तिवारी ने बताया कि रविवार रात से ही विभागीय टीम ने यमुनाघाटी के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित स्टोन क्रेशरों पर छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान बिजोरी (बर्निगाड़), नौगांव के जट्टा नौगांव, पौटी पुल और टटाउ (बड़कोट) क्षेत्र में क्रेशरों की गहन जांच की गई। जांच में क्षमता से अधिक अथवा कम रोड़ी-बजरी का माप और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर टीम ने चार क्रेशरों को सीज कर दिया। उपजिलाधिकारी तिवारी ने कहा कि खनन नियमों के विरुद्ध संचालन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, जिला खनन अधिकारी प्रदीप कुमार ने जानकारी दी कि यमुना घाटी में कुल पाँच स्टोन क्रेशरों की रूटीन चेकिंग की गई। इनमें से चार में अनियमितता पाई गई, जिन्हें तत्काल प्रभाव से सीज कर पोर्टल बंद कर दिए गए हैं। इसके साथ ही संबंधित संचालकों पर लगभग 10 लाख रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद क्षेत्र के स्टोन क्रेशर संचालकों में खलबली मच गई है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी इस तरह की नियमित जांच जारी रहेगी, ताकि खनन कार्य पारदर्शी और नियमों के तहत संचालित हो सके।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत का अभियान उत्तराखंड में बना रहा कीर्तिमान

पथ प्रवाह संवाददाता, नवीन चौहान

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को हर घर तक पहुँचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷ ने महज़ दो सप्ताह में ही बड़ी सफलता हासिल की है। अभियान के तहत राज्यभर में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के जरिए अब तक 11,68,228 लोगों ने जांच, उपचार और परामर्श सेवाओं का लाभ उठाया है। यह अभियान न सिर्फ उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहा है, बल्कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर भविष्य की पीढ़ियों को भी मजबूत बना रहा है।

राज्यभर में आयोजित 19,535 स्वास्थ्य शिविर

अभियान के अंतर्गत अब तक 19,535 स्वास्थ्य शिविर (स्क्रीनिंग व स्पेशियलिटी कैम्प) आयोजित किए गए। इन शिविरों में विभिन्न गंभीर बीमारियों की जांच कर लोगों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जांच

अब तक 5,15,680 लोगों की हाई ब्लड प्रेशर और 4,86,821 लोगों की डायबिटीज जांच की गई है। इसके साथ ही 4,39,531 लोगों की कैंसर जांच (मुख, ग्रीवा और स्तन) भी की गई है।

एनीमिया और बच्चों का टीकाकरण

1,70,950 लोगों की एनीमिया जांच की गई, वहीं बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए 1,35,960 बच्चों को वैक्सीन डोज़ दी गई है।

गर्भवती महिलाओं और टीबी जांच पर फोकस

अभियान के तहत 85,131 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच कराई गई है। साथ ही 91,360 लोगों की क्षय रोग (टीबी) जांच की गई, जिससे समय पर उपचार संभव हो सका।

परामर्श सेवाओं का बड़ा दायरा

स्वास्थ्य परामर्श सेवाओं का भी व्यापक प्रभाव देखने को मिला और अब तक 6,14,296 लोगों को विभिन्न विषयों पर काउंसलिंग प्रदान की गई।

निक्षय मित्र और रक्तदान में बढ़-चढ़कर भागीदारी

लोगों को इस अभियान से जोड़ने के लिए 9,177 लोगों ने निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कराया है। वहीं 64,966 रक्तदाताओं ने ई-रक्तकोष पोर्टल पर पंजीकरण किया और 8,641 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

आयुष्मान कार्ड से गरीबों को राहत

अभियान के अंतर्गत अब तक 11,358 आयुष्मान/पीएम-जय कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकें।

निजी संस्थानों व मेडिकल कॉलेजों का सहयोग

स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ निजी संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों और केंद्रीय सरकारी इकाइयों द्वारा भी शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 41,118 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गईं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का वक्तव्य

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान उत्तराखंड को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। हमारी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी नागरिक इलाज से वंचित न रहे। इस अभियान ने अल्प समय में ही जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह जनभागीदारी और हमारे स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत का परिणाम है।÷

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का वक्तव्य

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि ÷अभियान का उद्देश्य सिर्फ जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि समय पर इलाज और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी है। स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम ने गांव-गांव, दूरस्थ इलाकों तक सेवाएं पहुँचाकर यह साबित कर दिया है कि उत्तराखंड स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश के लिए एक मॉडल बन सकता है।

मोरी तहसील के दणगाण गांव में भूधंसाव, कई भवन खतरे की जद में

भूवैज्ञानिक ने किया स्थलीय निरीक्षण, प्रभावित परिवारों के विस्थापन की कार्रवाई शुरू होगी

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। पिछले अगस्त माह में आई आपदा के बाद जनपद उत्तरकाशी के विभिन्न क्षेत्रों में भूगर्भीय खतरे लगातार सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में भूवैज्ञानिक उत्तरकाशी प्रदीप कुमार ने मंगलवार को तहसील मोरी के दणगाण गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि गांव के कई तोको के मकानों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं, जबकि मुख्य गांव के ऊपरी हिस्से में सक्रिय भूस्खलन जोन विकसित हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि समय रहते सुरक्षा के कदम नहीं उठाए गए तो इन भवनों को गंभीर खतरा हो सकता है।

भूवैज्ञानिक टीम की रिपोर्ट के अनुसार गांव के अंतर्गत कई बरसाती गदेरे और नाले बहते हैं। बरसात के मौसम में इन नालों में अत्यधिक पानी आने से भूमि कटाव की स्थिति बनी रहती है, जिससे धंसाव का खतरा और बढ़ जाता है। प्रभावित तोको के परिवारों के विस्थापन की कार्यवाही प्रशासन द्वारा जल्द शुरू की जाएगी। भूवैज्ञानिक प्रदीप कुमार ने मौके पर ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बरसाती गदेरों, डिप्रेशन वाले हिस्सों तथा अधिक ढालदार भूभाग पर भवन निर्माण से बचना चाहिए। निरीक्षण ग्राम प्रधान और स्थानीय ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। जिलाधिकारी को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में दणगाण गांव को भूधंसाव संभावित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किए जाने की संभावना है। इससे पहले भूवैज्ञानिक उत्तरकाशी की टीम भटवाड़ी, डुंडा, बड़कोट और मोरी क्षेत्र के दो दर्जन गांवों का स्थलीय निरीक्षण कर चुकी है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि शेष प्रभावित गांवों का सर्वे भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

मेरठ के हिस्ट्रीशीटर को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार, लाखों के कीमती जेवरात बरामद

वादी का परिचित निकला चोर, वाहन एंडेवर कार भी सीज

पथ प्रवाह, संवाददाता देहरादून

नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में 15 सितम्बर को हुई चोरी की घटना का देहरादून पुलिस ने सफलता पूर्वक खुलासा किया है। पुलिस ने मेरठ के हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी को गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के सिक्के और नगदी बरामद किए गए। घटना में प्रयुक्त वाहन इंडेवर कार संख्या च-17-च-7248 को भी पुलिस ने सीज किया।

घटना की पृष्ठभूमि

वादी प्रमोद त्यागी, अशोक विहार, देहरादून ने थाना नेहरू कॉलोनी में प्रार्थना पत्र दिया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी कार से नगदी व सोने-चांदी का सामान चोरी कर लिया। इसके आधार पर पुलिस ने मु0अ0स0 325/25 धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया।

गिरफ्तारी और खुलासा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर गठित टीम ने घटनास्थल के आस-पास सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र का सक्रिय उपयोग करते हुए अभियुक्त को दिनांक 29-09-25 की रात आशारोडी टनल, डाट काली मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह वादी प्रमोद त्यागी का परिचित था और बातचीत के दौरान उसे पता चला कि वादी की कार में कीमती सामान रखा हुआ है। मौका देखकर अभियुक्त ने अपने एक साथी के साथ मिलकर कार का शीशा तोड़कर चोरी को अंजाम दिया।

गिरफ्तार अभियुक्त की जानकारी

नाम- विनय त्यागी, पिता का नाम- सेवाराम त्यागी, गांव- खाई खेड़ी, थाना पुरकाजी, उत्तर प्रदेश, उम्र- 57 वर्ष

हाल पता- जागृति विहार, सी- ब्लॉक, मेरठ, उत्तर प्रदेश

बरामदगी: लगभग 4 लाख रुपये मूल्य के सोने और चांदी के सिक्के. 15,000 रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त वाहन इंडेवर कार

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास

पुलिस जांच में यह सामने आया कि विनय त्यागी पूर्व में मेरठ, मुजफ्फरनगर, हरिद्वार और देहरादून में कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। उसके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट और अन्य अपराधों के तीन दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस टीम की भूमिका

इस गिरफ्तारी में थाना नेहरू कॉलोनी और बायपास पुलिस टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम में शामिल अधिकारी और कर्मी- 1. उ0नि0 प्रवीन पुंडीर, चौकी प्रभारी बायपास देहरादून, 2. का0 श्रीकांत ध्यानी, 3. का0 बृजमोहन रावत, 4. का0 अर्जुन कुमार, 5. का0 विनोद बचकोटी, 6. का0 संदीप छाबड़ी

हिंसा और भय की राजनीति बंद होनी चाहिए : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि लद्दाख में हिंसा के दौरान चार लोगों की मौत का मामला गंभीर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को संवाद का रास्ता अपनाकर शांति बहाल की दिशा में प्रयास करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे लद्दाख में हिंसा के दौरान गोली लगने से चार लोगों की जान जाने का मुद्दा बहुत गंभीर है। इसमें यह और भी दुखद है कि घटना में एक पूर्व सैनिक की जान चली गई जिसने कारगिल युद्ध में हिस्सा लिया था और देश के विभिन्न भागों में भारतीय सेना के जाबांज सैनिक के रूप में अपनी सेवाएं दी। उनके पिता भी सैनिक ही थे और पुत्र के मारे जाने की खबर से यह पूर्व सैनिक पिता बहुत आहत है।

एक नजर

सिडकुल पुलिस ने त्यौहारों की दृष्टि से बाजारों में पैदल गस्त, 10 मोटरसाइकिल सीज और 30 चालान काटे

इंस्पेक्टर नितेश शर्मा के नेतृत्व में कानून व्यवस्था मजबूत, अपराधियों में बढ़ा खौफ

पथ प्रवाह, संवाददाता। आगामी दशहरा और दिवाली के दृष्टिगत थाना सिडकुल पुलिस ने बाजारों में पैदल गस्त कर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को सुनिश्चित किया। इस दौरान बाजार में हो रहे अतिक्रमण हटाए गए, संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच की गई। पुलिस की कड़ी कार्रवाई से अपराधियों में खौफ और आमजन में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

पैदल गस्त और कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देशानुसार, इंस्पेक्टर नितेश शर्मा के नेतृत्व में सिडकुल पुलिस ने रावली महदूद बाजार में पैदल गस्त की।

बाजार में हो रहे अतिक्रमण हटाए गए।

संदिग्ध वाहनों की जांच के दौरान 10 मोटरसाइकिल सीज की गई।

कुल 30 चालान काटे गए - 12 न्यायालयिक कार्रवाई के लिए और 8 नगद संयोजन।

पुलिस ने बताया कि ऐसे अभियानों से अपराधियों में खौफ बढ़ा है और आमजन को त्योहारों के दौरान सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

थाना प्रभारी नितेश शर्मा बोले

इंस्पेक्टर नितेश शर्मा ने कहा कि आगामी त्योहारों में पैदल गस्त और वाहन चेकिंग लगातार जारी रहेगी। सभी दुकानदारों और आमजन से अपील की गई है कि वे कानून का पालन करें और सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस का सहयोग करें।

देश में मॉनसून सीजन खत्म, सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश

महाराष्ट्र के 3 हजार से ज्यादा गांवों में बाढ़

मुंबई(ईएमएस)। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के आठ जिलों में 3,050 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 1 जून से 29 सितंबर तक बारिश-बाढ़ के कारण 104 लोगों की मौत हो गई है। नांदेड़ में सबसे ज्यादा 28 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा संभाजीनगर, बीड, हिंगोली, जालना, धाराशिव, परभणी और लातूर में लोगों की जान गई। मराठवाड़ा में 2,701 किलोमीटर सड़कें टूट गईं और 1,504 पुल क्षतिग्रस्त हैं। 1,064 स्कूल, 352 केंद्र और 58 सरकारी बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा। बारिश-बाढ़ को देखते हुए महाराष्ट्र बोर्ड ने 12वीं क्लास के एग्जाम फॉर्म भरने की तारीख 30 सितंबर से बढ़ाकर 20 अक्टूबर की है।

भारत में चार महीने का मॉनसून सीजन मंगलवार को समाप्त हुआ। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पूरे देश में इस बार सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश (937.2 मिमी) दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्रा ने इसे बहुत सफल सीजन बताया। हालांकि बादल फटने, भूस्खलन और जैसी घटनाएं भी हुईं।

60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुआ नुकसान

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा- प्राथमिक अनुमान है कि महाराष्ट्र में बारिश और बाढ़ के कारण लगभग 60 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में व्यापक असर हुआ है। हालांकि, नुकसान का सही आंकलन अगले दो से तीन दिनों में पूरा हो जाएगा, और अगले हफ्ते तक रिलीफ पैकेज की घोषणा कर दी जाएगी।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com